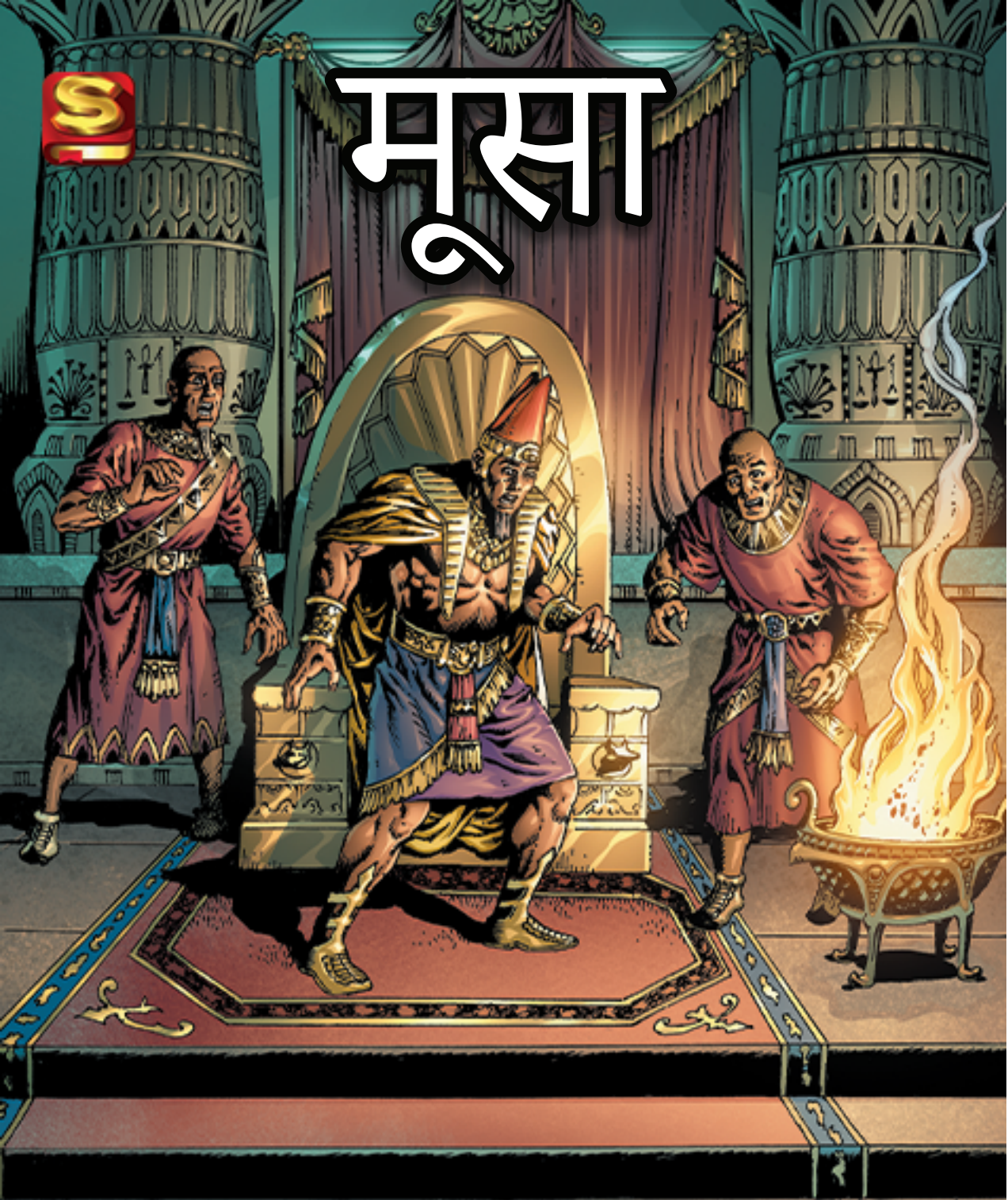




मसा



DANNY BELANADI/19



1855 ई.पू.

एक अकाल के दौरान, याकूब, जो अब्राहम का पोता था, उसने अपने ग्यारह बेटों और उनके सभी बच्चों और नौकरों को जीने के लिए मिस्र में ले गया।

याकूब का नाम बदल कर इस्राएल रखा गया था। जल्द ही इस्राएली लोग मिस्रियों की संख्या से बढ़ गए।

मिस्र का शासक, फरीन, इस्राएलियों से मज़बूत कठोर परश्रम करवाता था।

फरीन, इस डर से कायहूदी बहुत बढ़ रहे हैं, सभी नवजात शिशुओं को मारने का फैसला किया।

300 साल से अधिक समय तक गुलामी में रहने के बाद, इस्राएलियों ने उन वादों को भुला दिया था जो परमेश्वर ने उनके पूर्वजों से किए थे।

उठ जाओ, तुम यहूदी जानवर!

दया करो - मैं और कठिन काम नहीं कर सकता!

परमेश्वर ने अब्राहम से कहा था कि उसके लोग एक वदिशी राष्ट्र में गुलाम होंगे- परन्तु 400 साल बाद वह उस राष्ट्र का न्याय करेगा और अपने लोगों को वादे के देश में वापस लाएगा।

नहीं! मेरा बच्चा नहीं। तुम ऐसा नहीं कर सकते।



लेकनि माँ, मैं उन
सपिाहयिों और हमारे पड़ोसयिों
को क्या बताऊँगी जब वे हमारे
बच्चे के बारे में पूछेंगे ?

तुम सरिफ उन्हें सच्चाई
बताओगी। उसकी माँ ने खुद ही
उसे नदी में बहाया ताकि सपिाही
ऐसा न करें।

माँ, क्या आप
नश्चिति हैं की
इसमें रसिाव नही
होगा ?

यह डामर
से लपिा हुआ
है। यह तैरेगा।

क्या हम कभी
मेरे छोटे भाई को
देखें पाएँगे ?

परमेश्वर उसकी
रक्षा करेगा। तुम इसके
नज़दीक रहो और
ध्यान रखा।



फरीन की बेटी नदी में नहाने के लिए आयी।

ध्यान से सुनो।
वहाँ इस टोकरी से रोने की
आवाज़ आ रही है!

यह ज़रूर यहूदयिों
के नवजात लड़कों में से
एक होगा।

वह ज़रूर
भूका होगा।

अगर मुझे इसके लिए
कोई पालने वाली मलि
जायेगी तो मैं इसे अपने
पास रख लूँगी।

वहाँ उन यहूदयिों का
एक बच्चा है। हो सकता है
की वह किसी को जानती होगी
जो इस बच्चे की देखभाल
कर सकता है।



मुझे एक यहूदी महिला के बारे में मालूम है जिसके नवजात शिशु को पानी में बहा दिया गया। उसके पास अभी भी बहुतायत से दूध है।



ऐसे, मरियम, मूसा की बहन, अपनी मां को फरौन की बेटी के पास लायी।

मैंने सुना है कि आप अपने बच्चे को खो दिये हैं। मुझे माफ़ कीजिए। मैंने इस बच्चे को नदी में पाया है। मैं तुम्हें इसे पालने के लिए बतन दूँगी।

जब इसका दूध छूट जायेगा, तो मैं आकर इसे महल में ले जाऊँगी। यह मसरि के फरौन के रूप में बढ़ाया जाएगा। हम इसका नाम मूसा रखेंगे।

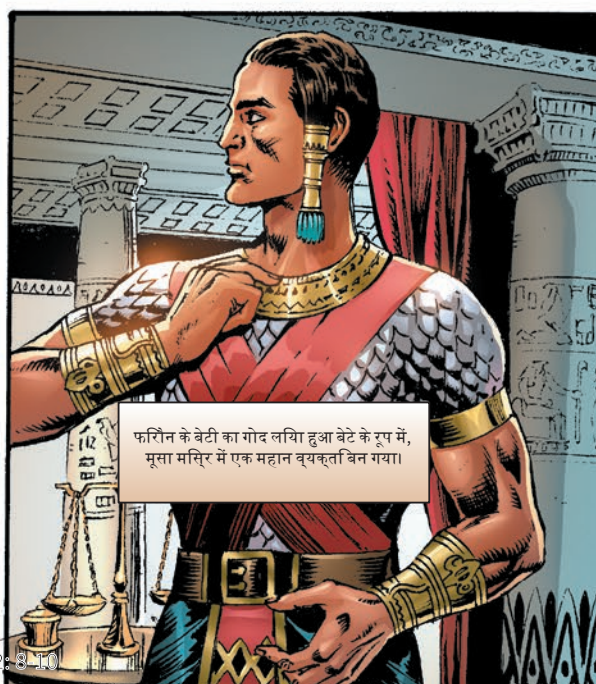


जैसे मूसा बड़ा होता गया, उसके माता ने उसके पूरवर्जों के सच्चे परमेश्वर के बारे में उसे सखाया।

मूसा का पालन-पोषण करने के लिए धन्यवाद। यह बहुत ही स्वस्थ दखिर रहा है। यह बड़ा होकर अमीर और शक्तिशाली बनेगा।



परमेश्वर ने इस छोटे बालक के लिए एक वशिष योजना बनाया था।



फरौन की बेटी का गोद लिया हुआ बेटे के रूप में, मूसा मसरि में एक महान व्यक्ति बन गया।



मूसा को महान बनने के लिए नयिकृत किया गया था, लेकिन उसने कभी भी अपना बरिसत नहीं भूला।

मैं आपको बता रहा हूँ, मूसा, हमारे पिता, अब्राहम, इसहाक, और याकूब के परमेश्वर ने, अब्राहम को कहा था की उसकी संतान बड़े और एक देश में जो उनका नहीं कहलाता अजनबी हो जायेंगे। देखो, हम यहाँ हैं !

उन्होंने अब्राहम से यह भी कहा कि हम 400 साल के लिए इस पराये देश में सताये जायेंगे।



और यह की उस देश का हमारे ऊपर बुरे व्यवहार के कारण वो उनका न्याय करेगा, और यह की हम बड़ी संपत्ति लेकर वापस उस देश में जायेंगे जसि परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों को दिया था।

फरिौन कभी भी अपने सारे गुलामों को जाने नहीं देगा, और वह नशित्ति रूप से उन लोगों को संपत्ति के साथ जाने के लिए अनुमति नहीं देगा।

यहूदीयों को अपने स्वामयिों के राज में बहुत दुःख सहना पड़ा। उन्हें ईंट बनाने के लिए गड्ढों में काम करना पड़ता था। मूसा उन लोगों का सहना नहीं देख पा रहा था, इसलिए उसने इस वरिये के लिए कुछ करने का नरिणय किया।



वह तुमको मार कर मार डालने से पहले उठ जाओ !

उठ जाओ, तुम गंदे जानवर !

एबर, उठ जाओ।

एक दिन एक मिस्री को मूसा ने उसके लोगों में से एक को कटार के साथ मारते हुए देखा।



छुटकारे का समय आ गया है।
यह रुकना आवश्यक है।



अब और नहीं!

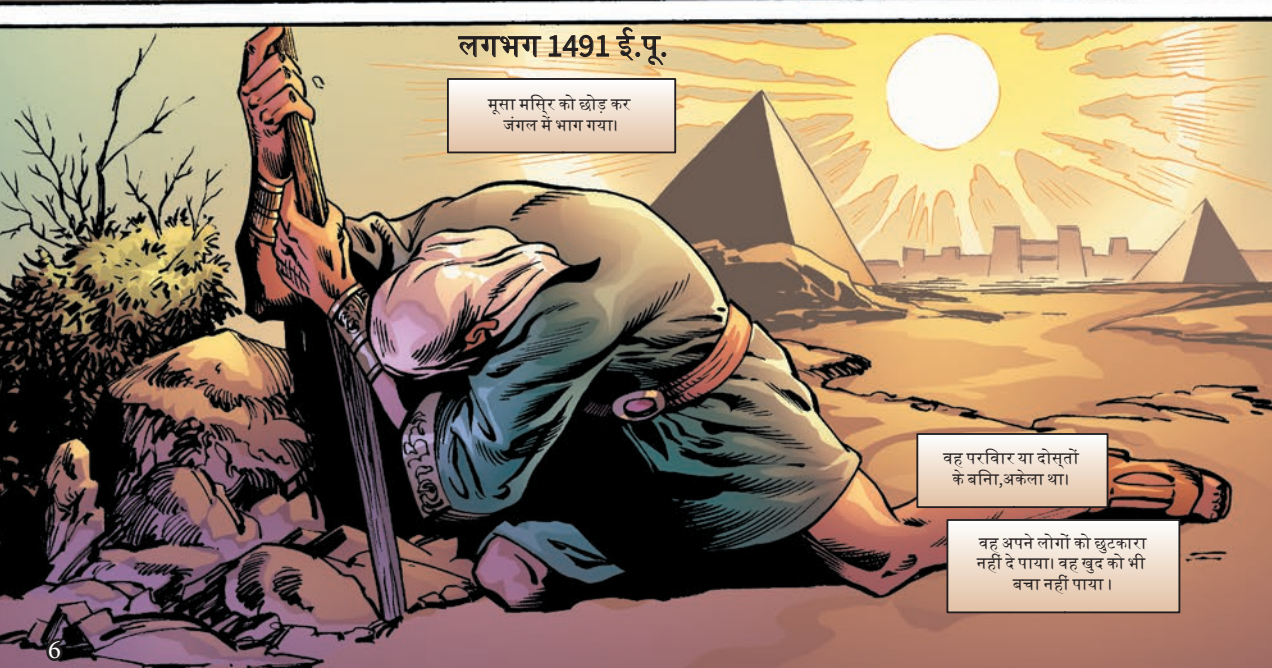
मूसा ने मिस्री को मार डाला और शरीर को दफना दिया, लेकिन किसी ने उसे देखा और उसकी सूचना फरिशन को दे दिया।



रुक जाओ,
तुमपर हत्या का
मुकदमा की सुनवाई
अवश्य होगा!

यह मैंने क्या
कर दिया है!?

यह मूसा है!



लगभग 1491 ई.पू.

मूसा मिस्र को छोड़ कर
जंगल में भाग गया।

वह परबिर या दोस्तों
के बिना, अकेला था।

वह अपने लोगों को छुटकारा
नहीं दे पाया। वह खुद को भी
बचा नहीं पाया।



मूसा कई दिनों तक चलता रहा। जब वह और चल न पाया तो वह एक चरवाहों के छावनी पर पहुंचा।

देखो! एक आदमी!

वह एक मसिरी है!

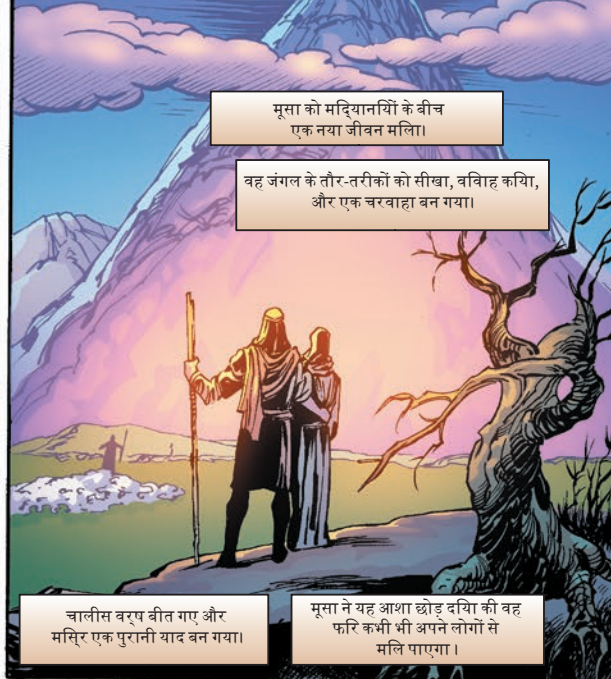
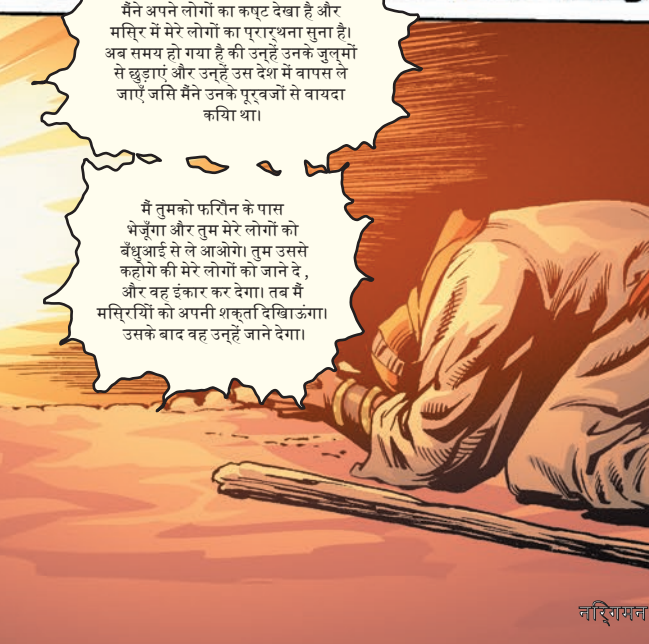
वह अधमरा दखि रहा है। पानी लाओ।

यह वेहद अजीब है! यह झाड़ी में आग कैसे लग गयी, और यह पूरी तरह से क्यों नहीं जल रहा है? यह सिरिफ जलते ही जा रहा है।



मैंने अपने लोगों का कपट देखा है और मसिर में मेरे लोगों का प्रार्थना सुना है। अब समय हो गया है की उन्हें उनके जुल्मों से छुड़ाएँ और उन्हें उस देश में वापस ले जाएँ जसि मैंने उनके पूर्वजों से वायदा किया था।

मैं तुमको फरीन के पास भेजूंगा और तुम मेरे लोगों को वैधुआई से ले आओगे। तुम उससे कहागे की मेरे लोगों को जाने दे, और वह इंकार कर देगा। तब मैं मसिरियों को अपनी शक्ति दिखिऊंगा। उसके बाद वह उन्हें जाने देगा।



मूसा को मसिरियों के बीच एक नया जीवन मिला।

वह जंगल के तौर-तरीकों को सीखा, ववाह किया, और एक चरवाहा बन गया।

चालीस वर्ष बीत गए और मसिर एक पुरानी याद बन गया।

मूसा ने यह आशा छोड़ दिया की वह फिर कभी भी अपने लोगों से मलि पाएगा।



मूसा, अपने जुते उतार दो। तुम पबतिर स्थान पर खड़े हो। मैं तुम्हारे पति, अब्राहम, इसहाक, और याकूब का परमेश्वर हूँ।



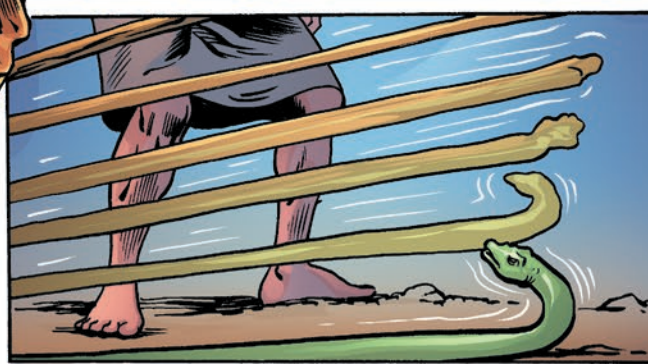


परन्तु वे बशिवाम
नहीं करेग की तुमने मुझे
भेजा है। वे सर्क हसंग।



अपने लाठी को
ज़मीन पर फेंको।

क्या?
मेरी लाठी!



यह एक जानलेवा
साँप बन गया है!



पूछ से इस साँप
को उठा लो।



यह वापस मेरी
लाठी बन गया!



मस्तिष्क में जाओ।
मैं तुम्हें क्या कहना है
सबिखड़ा और तुम्हें क्या
करना है बताऊंगा।

तुम्हारा भाई
हारून तुम्हारा
सहायक होगा।



तुम मस्जिद में
वापस जा रहे हो? !लेकनि
उन सबका क्या जो
तुमको मार डालने के
लिए हुनदते है?

अब 40 वर्ष
बीत गए हैं। वे सब
जो मेरे पछिली बातों
को जानते हैं अब मर
चुके हैं। कोई मुझे नहीं
पहचानेगा।

रास्ते में एक बशिराम स्थान पर, पुरखू मूसा से
मिली और उसे मार डालने वाले थे।

लेकनि सप्पिपोरा ने इसे देखा और एक चकमक
पत्थर लेकर, उससे अपने बेटे के खलड़ी को काट
डाला और मूसा के पैरों को छुआ।



नशिबय तुम मेरे
लिए लहू बहाने वाले
पतंग हो।

सप्पिपोरा ने अपने पति के जीवन के खतरे के बारे में
समझा, क्योंकि उसने अब्राहम के खतना के बाचा
को नहीं माना था।

मूसा का जीवन खतरे में था वह इस बात को
दर्शाता है की परमेश्वर अपने उस चनिह जो
उसने अपने लोगों को दिया उसके वषिय बहुत गंभीर था।



मूसा महासंहार के समय में पैदा हुआ
था जब फरीन ने हर पुरुष बच्चे को मार
डाला, तब उसकी माता ने उसे छुपा दिया
था। परमेश्वर की कृपा से, फरीन की बेटी ने
उसे पाया और उसे एक मस्जिद के रूप में उसे
बड़ा किया।

पास आओ, तुम
इस्त्राएल
के प्राचीनो।

मूसा तुमको चनिहों को
दखियेगा जिससे वो
फरीन को यकीन दलाएगा
ताकि वह हमें जाने दे।

वे कौन है?

वह हारून लेवी है।

दूसरा पुरुष
हमारी तरह
दखिर रहा है, लेकनि
वह गुलाम नहीं है।



अब्राहम के परमेश्वर ने एक जलती हुई झाड़ी में से मुझ से बातें की और मुझे तुमको हमारे पुरवजों की भूमि पर वापस ले जाने के लिये भेजा है। यह एक चनिह है।



ओह! उसकी लाठी एक सांप में बदल गयी है।



डरो मत।

ध्यान से देखो।



परमेश्वर ने एक उद्धारक को भेजा है।

हाँ, यह फरीन को दिखाएगा।

यह एक चमत्कार है!

अब हम फरीन के पास जाते हैं!

अब्राहम का परमेश्वर!



चालीस साल पहले जब मैं यहाँ से चला गया था तब से यह कुछ नहीं बदला है। याद रखना जो मैंने तुमसे बोले हैं वही बोलना।



इस्राएल के परमेश्वर ने मूसा से बात कियी। परमेश्वर ने बोला की तुम लोगों को जाने दो तीन दिन सफर कर के ताका बि जंगल में जाकर आराधना और भेंट चढ़ाएं।

इस्राएल के परमेश्वर ? हा! यह कौन सा परमेश्वर है जिसकी मैं आज्ञा मानूँ? क्या बकवास है। मैं अपने गुलामों को तीन दिन के जंगल सफर में नहीं जाने दूंगा।

मैंने सुना है की तुम कैसे मेरे लोगों को भडका रहे हो, और उन्हें काम करने से रोक रहे हो, और अब वे एक तीन-दिन की सफर में जाना चाहते हैं ताकि उस परमेश्वर की आराधना करें जिस में जानता तक नहीं हूँ। मैं यह नशिचि करूंगा की उनके पास और ज्यादा काम करने को हो।

अब से, उन्हें ईंटों को बनाने के लिए खुद अपने से भूसा तैयार करना होगा।







फरीन ने उनके ज्ञानियों और जादूगरों को बुलवाया और जादूगरों ने उनके गुप्त कला द्वारा वही कार्य किया।



हमारा साँपों का भगवान, नेसेरट, तुमको और अधिक ईंटों को बनाने को कहते हैं। हा, हा, हा!



देखो! उसकी साँप हमारे से मुकाबला कर रहा है!



उसकी साँप हमारे साँप को खा रहा है!



यह हमारे साँप को पूरा नगिल लिया है!

सुपुटकिरता परमेश्वर कहता है, "मेरे लोगों को जाने दो।"

परमेश्वर मूसा से फरि मिला और बताया की उसे क्या करना है। उसके अपने लोगों ने उसे धक्कार दिया ,क्योंकि फरिोन ने उनके दासत्व को नरिमम कर दिया था। परन्तु मूसा ने परमेश्वर पर वशवास किया और उसकी आज्ञा माना,जब की उसे समझ नहीं आ रहा था।

यहोवा कहता है,
"क्योंकि तुमने मेरे लोगों को
नहीं जाने दिया , और इसलिए
क तुम जानो की मैं ही सच्चा
परमेश्वर हूँ, मसिर के सभी जल
रक्त में बदल जाएंगे।"

जाओ मेरा
जादूगरों को बुलाओ। नील
नदी के भगवान इसे
रोक देंगे।

परमेश्वर ने कहा की फरिोन का दिल कठोर जाएगा,
जब की वह परमेश्वर से महान चनिहों को देखेगा।

वह नदी रक्त में बदल दिया, मछलियाँ
मर गए और नदी से बदनू आने लगी।

लेकिन परमेश्वर के हाथों से इतने
महान चमत्कारों के बावजूद ... फरिसेन ने
समझौता नहीं किया।







उसने क्या फर्क पड़ता है?
हमारे हजारों भगवान हैं? नील नदी
के भगवान बहुत ही नाराज़ होंगे।

मैंने अपने जीवन में कभी भी ऐसा नहीं देखा है। यह
झरने और छोटे तालाब भी रक्त में बदल गए हैं। उसने
क्या कहा की उसके परमेश्वर का नाम क्या था?

उस मूसा का कहना है
कि उसका परमेश्वर ही
एकमात्र परमेश्वर है।

एक परमेश्वर?
यह बकवास है।



मेरे जादूगर यह भी कर सकते
हैं। मैं तुम्हारे जादू की बातों से
प्रभावित नहीं हूँगा।

सात दिन के बाद जब पानी रक्त में बदल गए, मूसा ने फरि से
परमेश्वर का दंड की आज्ञा मस्जिद पर लाया।

अब पानी भरपूरी से
मैंडकों को बाहर लाये।



बदबुदार रक्त वाले पानी अचानक करोड़ों
मैंडकों को उत्पादित कर दिए।



मेरा घर
मेंढकों से भर
गया है।

पूरा मसिर मेंढकों
से भर गया है। हमारे
भगवान क्रोधित हैं!

हमारे पुजारी
कहाँ हैं? वे क्या कुछ
नहीं कर सकते हैं?



ओह! ओह!



वे क्यों और अधिक
मेंढकों को बना रहे हैं?
क्या मूसा ने हमें काफी
नहीं दिया है?

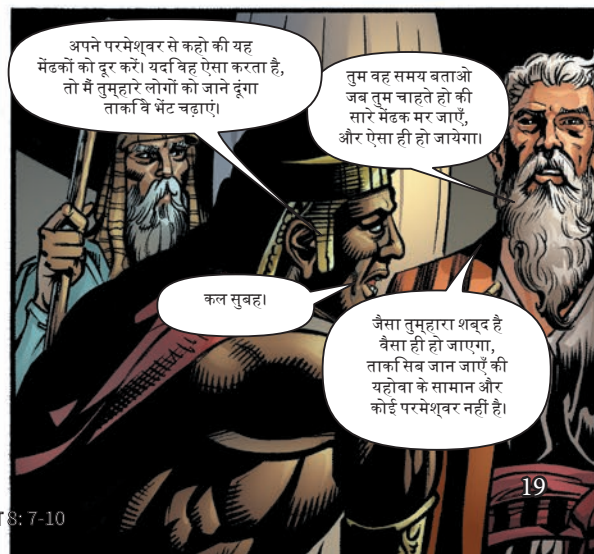
देखो... फरिश्तों के जादूगर
भी मेंढकों को बना सकते हैं।



आप उन्हें जंगल में क्यों नहीं
जाने देते जैसा कि उन्होंने कहा था?
हम इस से अधिक नहीं सह सकते हैं।

मूसा को बुलाओ।
उससे कहाँ की मैं
उससे बात करना
चाहता हूँ।

हाँ मालिक,
जैसा आप कहते हैं।



अपने परमेश्वर से कहो की यह
मेंढकों को दूर करो। यद्विह ऐसा करता है,
तो मैं तुम्हारे लोगों को जाने दूंगा
ताकि वे भेंट चढ़ाएं।

तुम वह समय बताओ
जब तुम चाहते हो की
सारे मेंढक भर जाएँ,
और ऐसा ही हो जायेगा।

कल सुबह।

जैसा तुम्हारा शब्द है
वैसा ही हो जाएगा,
ताकि सब जान जाएँ की
यहोवा के सामान और
कोई परमेश्वर नहीं है।



जब फरिोन ने यह देखा की मेढक नशिचति समय में मर गए, तो उसने अपना दिल कठोर कर दिया और वह यह द्रवियों को भेजने से इंकार कर दिया।

तुमको क्यों लगता है कि यह एक परमेश्वर ने किया है? हो सकता है यह केवल एक प्राकृतिक घटना है।

किस प्रकार का परमेश्वर है जो हमारे देश को मेढकों से भर दिया?

फरि मूसा कैसे जानता था की यह होने वाला है, और उसकी भविष्यवाणी किया ? और वह कैसे उस सटीक घंटे को जानता था जब वे सभी मर जाएंगे ?

ओह, चूप रहो और खादो, या हम कभी खत्म नहीं कर पाएंगे।



और मक्खिर के सारी धूल कुटकियों में बदल गए।



और यहोवा ने मूसा से कहा, "हारुन से कहो, अपने हाथ को बढ़ा और जमीन के धूल को मार ताकि वे पूरे मसिर देश भर में कुटकियों बन जाएं।



हूह हूह हूह!

याआआआ !!



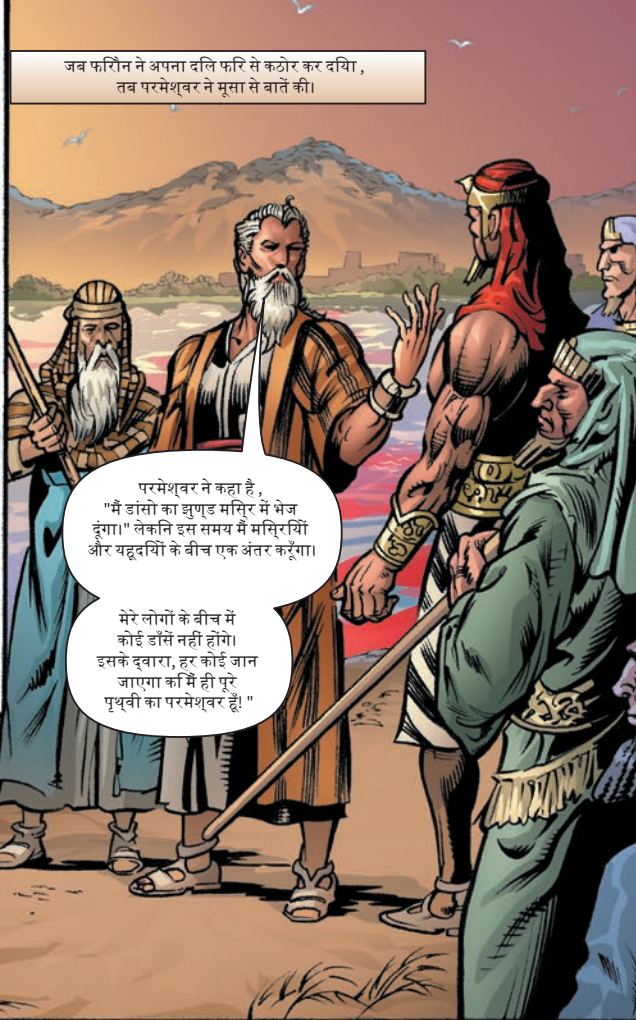
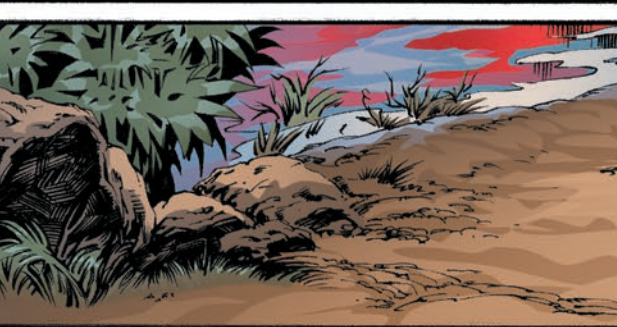
तुमहारा क्या मतलब की तुम कुटकियों नहीं बना सकते ? लोग यह सोचेंगे की उसका परमेश्वर हमारे भगवान् से ज्यादा शक्तिमान है ! जादू गरी, तुम सब बस यही कर सकते हो।

लेकिन महाराज, नशिचति रूप से यह परमेश्वर का काम है। कोई भी आदमी ऐसा नहीं कर सकता जो वे दोनों ने किया है। हम शक्तिहीन है।

मूसा को यह शब्द पहुंचा दो। उससे कहा की अगर उसका परमेश्वर इन कुटकियों को हटा देगा, तो मैं यहूदियों को जाने दूंगा ताकि वे अपने परमेश्वर की सेवा करें।



कुदकियों चले गए हैं, लेकिन मैं गुलामों को जाने नहीं दे सकता।



जब फरीन ने अपना दिल फरि से कठोर कर दिया, तब परमेश्वर ने मूसा से बातें की।

परमेश्वर ने कहा है, "मैं डांसों का झुण्ड मसिर में भेज दूंगा।" लेकिन इस समय मैं मसिरियों और यहूदियों के बीच एक अंतर करूंगा।

मेरे लोगों के बीच में कोई डोस नहीं होगा। इसके द्वारा, हर कोई जान जाएगा कि मैं ही पूरे पृथ्वी का परमेश्वर हूँ।"



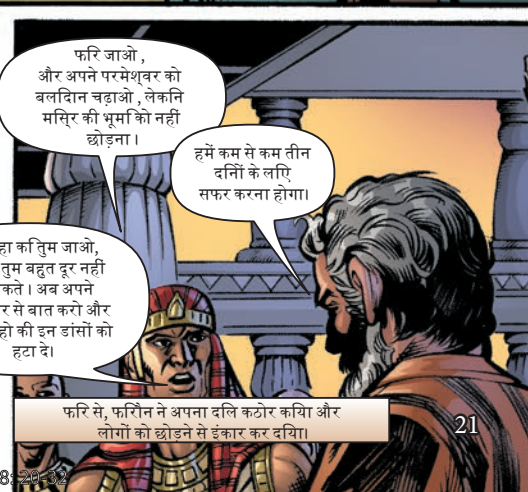
पतिजी, हमारे पुजारी इस आदमी को क्यों नहीं रोक सकते हैं? उनकी शक्ति कैसा है?

मैं धरम के संबंध में कुछ भी नहीं जानता। मैं बस अपने काम से मतलब रखता हूँ।



जैसा मूसा ने कहा वैसा ही है; वहाँ यहूदियों के बीच में कोई डोस नहीं है!

जाओ मूसा को बूढ़ लाओ।



फरि जाओ, और अपने परमेश्वर को बलदान चढ़ाओ, लेकिन मसिर की भूमि को नहीं छोड़ना।

हमें कम से कम तीन दनों के लफि सफर करना होगा।

मैंने कहा कतिम जाओ, लेकिन तुम बहुत दूर नहीं जा सकते। अब अपने परमेश्वर से बात करो और उससे कहो की इन डांसों को हटा दो।

फरि से, फरीन ने अपना दिल कठोर किया और लोगों को छोड़ने से इंकार कर दिया।

परमेश्वर ने फरि से मूसा से बातें किया।

फरिोन के पास जाओ और
उससे कहो, "मेरे लोगों को जाने
दो, ताकि मैं मेरी आराधना करूं।

यदि तुम उन्हें जाने से मना करोगे और
उन्हें पीछे रोकोगे, तो
मैं तुम्हारे खेतों में पशुओं
पर भयंकर आकाल भेजूंगा।

परन्तु परमेश्वर मसिरियों
के पशुओं और
यहूदियों के पशुओं
के बीच अंतर ठहराएगा। "

लेकिन फरि से, फरिोन ने
अपना दिल कठोर कर दिया।



क्या हो रहा है?
हमारे पशु कल ठीक थे!

यह जरूर मूसा, उस
नरिदयी कष्ट देने वाल
का हाथ होगा।

मैंने सुना है उसके
कारण फरीन के राज
दरबार में अजीब चीज़ें होती हैं।

इन वपिपत्तयों और दंड के बीच भी, मूसा प्रभु, यहूदियों के परमेश्वर से नरितर प्रार्थना करता रहा और उसकी ओर ताकता रहा।

हमारे पशु सभी मर गए हैं और तुम्हारे बलिकुल स्वस्थ है।

यह हमारे पूर्वजों का परमेश्वर है जो हमें तुम्हारे कठोर दासत्व से छुड़ाने आया है।

हमारे पुजारी हमारे पवित्र देवताओं को बलिदान चढ़ा रहे हैं। हमारा पवित्र बेल नाराज होकर इन चीजों को रोक देगा।

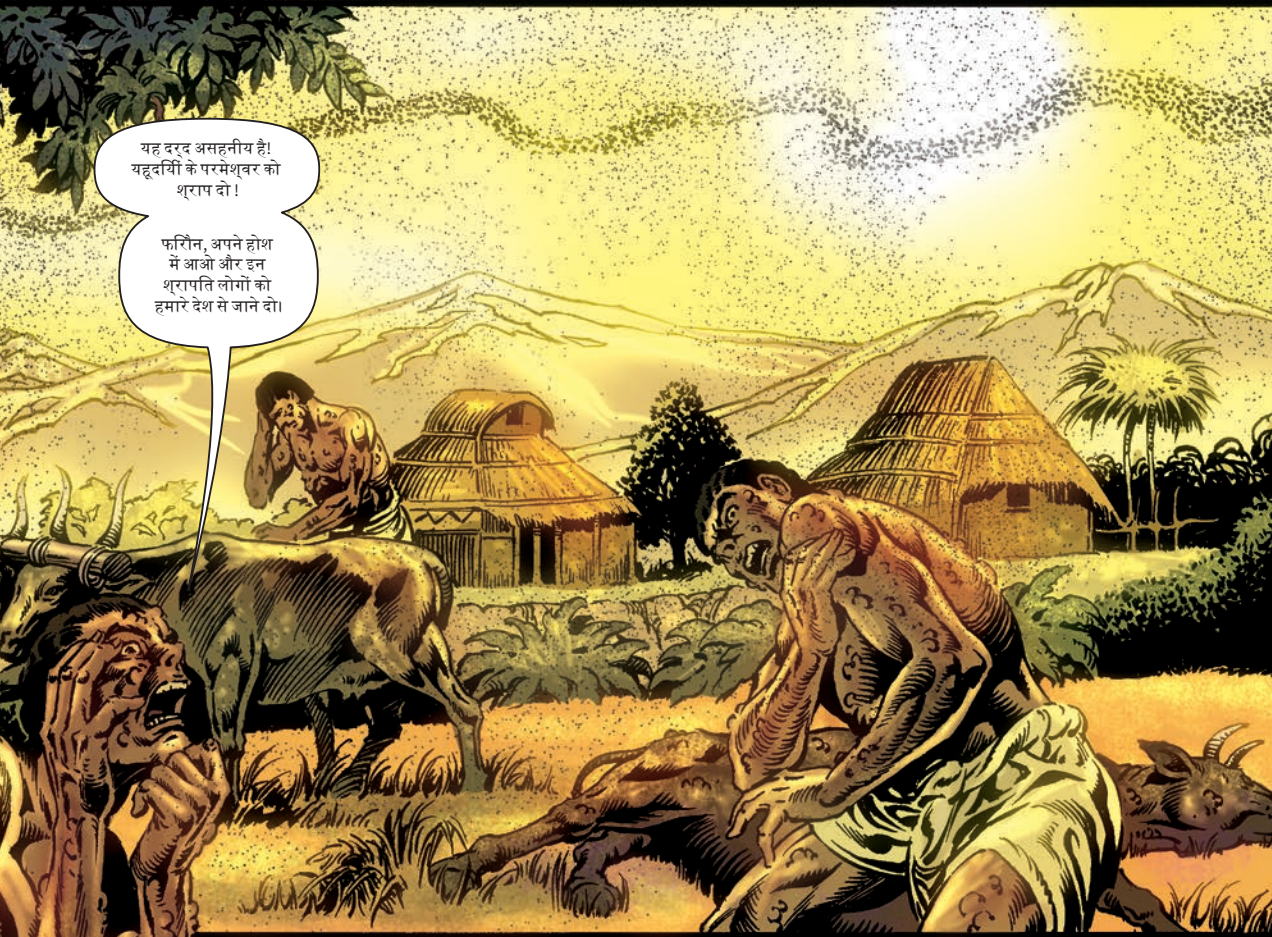
फरीन से कह दो की काफी देर हो गयी है। हमारे सभी पवित्र बेल मर चुके हैं। लोग नाराज हो जाएंगे जब वे यह जानेंगे की हमारे भगवान इस यहूदियों के वशाल परमेश्वर से अपने आपको नहीं बचा पा रहे हैं।

मसिरियों के परमेश्वर कहा है? क्या उनमें कोई शक्ति नहीं है?

लेकिन फरीन अपना मन कठोर करते रहा।







यह दर्द असहनीय है!
यहृदयी के परमेश्वर को
श्राप दो!

फरीन, अपने होश
में आओ और इन
श्रापति लोगों को
हमारे देश से जाने दो।

मैं अपने जादू की कलाओं को पेश
करने के लिए आज फरीन के सामने
नहीं जा सकता हूँ - मैं इन घावों के
कारण खड़ा भी नहीं हो सक रहा हूँ!

वैसे भी फरीन इन सड़े
घावों के साथ हमें अपने
सामने नहीं आने देगा।

मन्दिर के लोग और फरीन के जादूगर उन फोड़ों के
कारण जो उनके ऊपर थे, फरीन के सामने खड़े
नहीं हो पा रहे थे।



लेकिन फरी भी...उसके लोगों के इस भयानक कष्ट
के बावजूद फरीन का दिल नहीं बदला।



सवेरे जल्द ही उठ कर अपन
आप को फरीन को दखा
और उससे कहो ...





परमेश्वर फरि
से कहता है, "मेरे
लोगों को जाने दो,
ताक़ाँ वे मेरी सेवा
करें।

इस समय, मैं अपने सारे
वपिपतियों का बल भेजूंगा
ताक़ाँ तुम जान लो की इस
पृथ्वी पर मेरे सामान कोई नहीं है।

कल इस समय के
करीब मैं भारी ओले
बरसाऊंगा। जैसा अब
तक कभी नहीं बरसा है।

अपने पशु और
जो कुछ तुम्हारा खेत में
है उसे किसी शरण में
रख लो ...

क्योंकि हिर मनुष्य और
जानवर जो घर में नहीं
लाया जायेगा वे उन पर
ओले पड़ने पर मर जाएंगे "

मूरख -तुम उस रेगसितान के पागल
भववि्यवक्ता के बातों को सच मान रहे हो ?

कुछ मसिरी परमेश्वर के वचनों को डर कर माने और
अपने दासों और जानवरों को शरण में ले आये।

जनि मयिरयिं ने आज्ञा को नहीं माना था
उनके लिए आदमी और पशु दोनों का
भारी नुक्सान हुआ।

यदि केवल मेरे मालकि
ने मूसा के द्वारा कहे हुए
परमेश्वर के वचन का
पालन किया होता।



हमारे लिए
काफी देर हो
गयी ! हम नाथ
होने वाले हैं!!



ओह, सामरथी शेत, गड़बड़ी और तूफान
के प्रभु, हम आपको **बनिती** करते हैं,
इन भयंकर तूफानों को रोक दे !

नशिबति
रूप से तुम
इस मूसा के न
दखिने वाले
परमेश्वर से
सहान हो।

यह यहूदी अगुआ
सही कह रहा था,
हम अंदर- सुरक्षित हैं।

पति, मैं डरा हुआ
हैं। क्या यह आग
और बरफ हम पर
भी पड़ेगा ?

जैसा मूसा ने
कहा हम वैसा
कर रहे हैं।

शेत, हमारा भगवान्, इस यहूदी
परमेश्वर के मुकाबले कुछ नहीं है।



यह इतना
भयंकर है।





मूसा ने मसिर के ऊपर अपनी लाठी को उठाया,
और परमेश्वर ने एक तेज़ पूरबी वायु बहाया। यह
हवा पूरे दनि और रात भर चलता रहा।

टडिडयिँ पूरे मसिर के देश भर में फैल गयी -
एक ऐसा झुण्ड जो पहले कभी नहीं देखा गया
था - न ही कभी और देखा जाएगा।

पूरे मसिर भर में फसलें और पेड़ नष्ट हो गए।

और शहरों में भी इससे
बेहतर हाल न था ...



फरीन मूसा की बात क्यों नहीं मान रहा है ?

मूसा के परमेश्वर ने फरि से वही किया जैसा मूसा ने भवपियवाणी किया था।



सब कुछ जो मूसा ने कहा वह पूरा हुआ है।

हम नष्ट होने जा रहे हैं।



ओसरिसि ,अपने आप को आज सामर्थी दिखा।

गेब , पेड़-पौधे के भगवान, क्या तुम नहीं देखते की यहूदियों के परमेश्वर ने हमारे फसल को क्या किया है ?

फरि से, फरीन ने मूसा को बुलाया और लोगों को जाने के लिए वायदा किया, लेकिन जब परमेश्वर ने टड्डियों को हटा दिया, तो फरीन ने फरि से अपने दल को कटोर किया और अपने गुलामों को भेजने से इंकार किया।



फरि परमेश्वर ने एक घने अन्धकार को मसिर पर नीचे उतारा। तीन
दिन तक वहां घने बादल से भी ज्यादा अन्धकार था, लेकिन यहूदियों
के घर में कोई अन्धकार न था।

मैं तुम्हें पहले से
बरबाद करता था,
लेकिन वह यह साबित
करेगा की हमारे
देवताओं में तुम्हारे
परमेश्वर के सामने
कोई सामर्थ्य नहीं है।

मेरी नजरों में दूर हो जाओ।
मैं कभी भी तुम्हारे चेहरे को
देखना नहीं चाहता,
क्योंकि उस दिन तुम
जाएगा।

जैसा तुमने कहा। हम
कभी भी एक
दूसरे को नहीं देखेंगे।

21-22

मेरी नजरों में दूर हो जाओ।
मैं कभी भी तुम्हारे चेहरे को
देखना नहीं चाहता,
क्योंकि उस दिन तुम
जाएगा।

जैसा तुमने कहा। हम
कभी भी एक
दूसरे को नहीं देखेंगे।

21-22



परमेश्वर कहता है की एक आखरी वपित्ति पड़ेगा और फिर फरीन हमें मसिर से भेजने के लरि परसन्न होगा। आज, आधी रात को, नाश करने वाला मसिर से हो कर जाएगा। हर परिवार का सबसे पहलीठा लडुका मर जाएगा। परमेश्वर आज रात को ही पाप का दंड देगा।

पूरे यहूदी समाज में हर पुरुष को अपने परिवार के लरि एक भेड़ लेना है।

उनमें से थोड़ा रक्त लेकर उन्हें अपने दरवाजों के ऊपर और बगल में लगाना है जहाँ वे बैठकर इस भेड़ को खाएंगे।



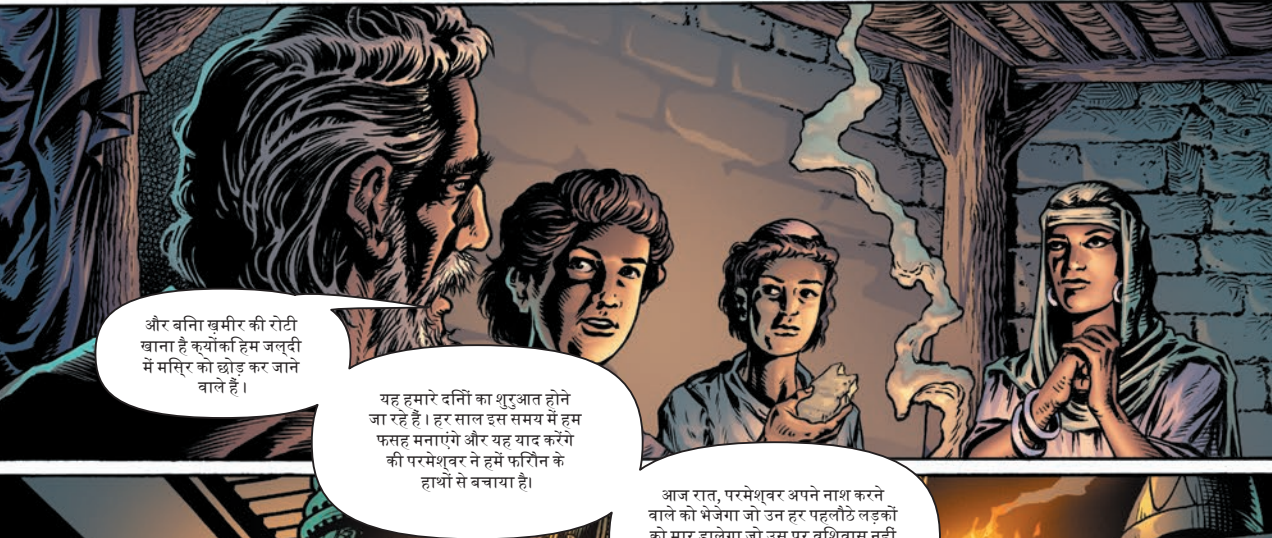
अब जाओ और अपने मसिरी मालकों से उनके कीमती सामान, और सोने, और चांदी के गहने मांगो। परमेश्वर ने उनके दिलों को छुआ है। वे स्वतंत्र रूप से और भरपूरी से तुम्हें देंगे।

अपने सामान को समेट लो और कल सुबह निकलने को तैयार रहो। तुम वापस यहाँ नहीं आओगे।



माँ, पतिजी हमारे दरवाजे पर खून से क्यों लेप रहे हैं ?

परमेश्वर ने कहा है, "जब मैं तुम्हारे दरवाजों पर रक्त देखूंगा, तो मैं जान लूंगा की तुम मुझ पर बश्रिवास करते हो और मैं तुम्हारे घरों में किसी को मैं प्ररहार नहीं करूँगा।"







जैसा की परमेश्वर ने उनके पूर्वजों से वायदा किया था, 400 वर्षों के बाद वे मस्जिर को छोड़ कर जा रहे थे। मस्जिरियों ने यहूदियों को सोने और जेवर और भोजन जो कुछ उन्होंने चाहा की अपने साथ ले जाएं वो सब कुछ दे दिया। यहूदियों के लिए यह एक आनंद का अवसर था; एक नए राष्ट्र का पहला दिन।



600,000 पुरुष, महिलाओं और बच्चों के साथ वे मस्जिर को छोड़ कर वायदा किये हुए देश को जाने के लिए सफर पर निकल पड़े।

परमेश्वर उन्हें एक बादल के साथ दिन में अगुआई करता, जो उन्हें छाया प्रदान करता, और रात को एक आग के खम्बे के साथ, जो उन्हें राशनी देता था।



SUPERBIBLE.TV